Imparting education by doing and understanding is our motive

Awarded by Honourable Governor and President of India

BHARTI VIDYA MANDIR HIGH SCHOOL

A Premier, Secondary, Recognised, English Medium, Co-Education Institution

Salient Features :

- Salubrious Environment
- Result-oriented School
- Experienced and dedicated teaching faculty
- Active participation in various competitive and co-curricular activities.
- Pollution free Environment, Water Cooler, Computer Lab, Library & Bus Facilities
- Scholarship to Meritorious Students
- Elementary Education by play way Method
- Fee concession for deserving & poor students.

PRINCIPAL
SADHU RAM JAKHAR
M.A., M.Ed.

C.H.C. Road, Barwala (Hisar)
Tel. : 01693-243125, 94165-88707, 99916-10423

● सम्पर्क ● सहयोग ● संस्कार ● सेवा ● समर्पण

HARHIN 04839/07/1/2009-TC
वर्ष-02 अंक-07
जनवरी-मार्च 2011
(पौष-फाल्गुन २०६७)

विकास सूत्र
VIKAS SUTRA

भारत विकास परिषद्, हरियाणा पश्चिम की त्रिमासिक पत्रिका

विकलांग बन्धुओं का करें पुनर्वास।
बनाएं आत्मनिर्भर, जगाएं विश्वास॥

भाविप हरियाणा पश्चिम - प्रान्तीय अधिवेशन

आतिथ्य – वीर शाखा, हिसार दिनांक – 13 मार्च, 2011

बरवाला शाखा ने सम्वत् २०६७ में राष्ट्रीय स्तर पर सदस्य संख्या में सर्वाधिक 104 प्रतिशत की वृद्धि की है। इस उपलब्धि के लिए शाखा को अधिवेशन में विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

पूरे वर्ष प्रान्तीय कार्यक्रमों में तलवाड़ा शाखा के सदस्यों की प्रशंसनीय भागीदारी रही है। प्रान्तीय अधिवेशन में सर्वाधिक सदस्य भागीदारी के लिए शाखा को पुरस्कृत किया गया।

भाविप हरियाणा पश्चिम - प्रान्तीय अधिवेशन

आतिथ्य – वीर शाखा, हिसार दिनांक – 13 मार्च, 2011

अधिवेशन में प्रान्तीय महासचिव श्री नरेन्द्र शर्मा ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा राष्ट्रीय संयोजक (सम्पर्क) श्री महेश शर्मा ने अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि तथा राज्यसभा सांसद श्री रणबीर गंगवा ने वीर शाखा, हिसार के अध्यक्ष महीपाल यादव को शाखा विस्तार में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया।

अधिवेशन में उपस्थित सभी सदस्यों का परिचय हुआ। प्रान्तीय उपाध्यक्ष श्री रमेश गोयल ने सिरसा शाखा के सदस्यों का परिचय करवाया।

अधिवेशन में नव गठित शाखा सदलपुर के दायित्वधारियों को प्रोत्साहन पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

३६वीं अखिल भारतीय राष्ट्रीय समूहगान एवं क्षेत्रीय गीत प्रतियोगिता – २०६७

आयोजक प्रान्त : हरियाणा पश्चिम आतिथ्य : विवेकानन्द शाखा, हिसार दिनांक : 13-14 नवम्बर, 2011 स्थान : न्यू लाहौरिया सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, हिसार

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती प्रकाशवती शर्मा का स्वागत करती इन्दु मुन्जाल

विभिन्न प्रान्तों के प्रतिभागी दलों का हार्दिक स्वागत

प्रतिभागी दल को पुरस्कृत करते राष्ट्रीय महामंत्री एस.के. वधवा

माँ भारती के गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुति

राष्ट्रीय अध्यक्ष आर.पी. शर्मा द्वारा ध्वाजारोहण

लोक गीत के दौरान अनूठा अभिनय

आयोजक प्रान्त हरियाणा पश्चिम की टीम ने राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

विवेकानन्द शाखा हिसार के सदस्यों ने प्रतिभागी दलों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

विभिन्न प्रान्तों के प्रतिभागियों ने अपनी भावपूर्ण मुद्राओं से अपने प्रान्त की बेमिसाल संस्कृति को प्रस्तुत किया।

शाखा स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिताएं

28 नवम्बर, 2010 को शाखा सफीदों द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में बी.आर.एम.के.ई. पब्लिक स्कूल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

28 नवम्बर, 2010 को भूतेश्वर शाखा, जीन्द द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में विजेता टीम को राष्ट्रीय संयोजक (सेवा) डॉ० वासुदेव बंसल ने पुरस्कार प्रदान किये।

28 नवम्बर, 2010 को टोहाना शाखा द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में डी.ए.वी. विद्यालय ने कनिष्ठ तथा वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

उकलाना मण्डी शाखा द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में सरस्वती हाई स्कूल की टीम प्रथम रही।

बाल विकास एवं संस्कार शिविर

आयोजक - वीर शाखा, हिसार   दिनांक - 25-26 दिसम्बर, 2010

प्रातः कालीन सत्र में शाखा अध्यक्ष महीपाल यादव ने शिविरार्थियों को योगाभ्यास करवाया।

एस.डी.एम., हिसार श्री अमरदीप जैन ने विकलांग बन्धुओं को कृत्रिम अंग प्रदान किये।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में कुल 50 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

शिविर के दौरान विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया गया।

शाखा गतिविधियों की झलकियां

बरवाला शाखा द्वारा आयोजित गणतन्त्र दिवस समारोह में विद्यार्थियों ने देशभक्ति के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

17 अक्टूबर, 2010 को दशहरे के पावन अवसर पर फतेहाबाद शाखा के सदस्यों ने तुलसी के पौधे वितरित किये।

13 अक्टूबर, 2010 को भूतेश्वर शाखा, जीन्द के सदस्यों ने माँ दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान पूजा की तथा भण्डारे का आयोजन किया।

बरवाला शाखा द्वारा आयोजित भारत को जानो प्रतियोगिता की विजेता टीम के सदस्यों को स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया।

शाखा गतिविधियों की झलकियां

20 फरवरी, 2011 को विवेकानन्द शाखा, हिसार द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 50 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया जिसमें 4 महिला रक्तदाता भी थी।

फतेहाबाद शाखा द्वारा 2 अक्टूबर, 2010 को सेवा भारती स्कूल के जरूरतमंद विद्यार्थियों को गर्म वस्त्र वितरित किये गये।

26 नवम्बर, 2010 को आई.जी. राजकीय महाविद्यालय में मुम्बई हमले की दूसरी वर्षगांठ पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें समाजसेवकों, प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने भाग लिया।

शाखा मण्डी डबवाली द्वारा आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में 95 स्वयंसेवकों ने ऐच्छिक रक्तदान किया जिसमें क्षेत्रीय महामंत्री रमेश गोयल ने अध्यक्षता की।

प्रान्त स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता

आयोजक – हरियाणा पश्चिम   आतिथ्य – भूना शाखा   दिनांक – 12 दिसम्बर, 2010

प्रान्त स्तर पर पहली बार नवतकनीक का प्रयोग करते हुए प्रतिभागी टीमों से कम्प्यूटर स्क्रीन पर भारत को जानो प्रतियोगिता के अन्तर्गत प्रश्न पूछे गये।

वरिष्ठ वर्ग :

प्रथम – जीन्द

द्वितीय – भिवानी

तृतीय – फतेहाबाद

कनिष्ठ वर्ग :

प्रथम – जीन्द

द्वितीय – ऐलानाबाद

तृतीय – अग्रोहा

विकलांगता को जीत लिया है मदन लाल ने

मदन लाल अपने रोजमर्रा के कार्य अपने पांव से करके अपनी आजीविका कमा रहे हैं। उसने सिलाई मशीन चलाना, कैंची से कपड़ा काटना तथा सलेट पर लिखना आदि कार्य करके आत्मनिर्भरता तथा आत्मसम्मान की मिसाल पेश की है। (रिपोर्ट : अनूप कुमार)

विकलांग पुनर्वास केन्द्र तथा विवेकानन्द शाखा, हिसार द्वारा विकलांग बन्धुओं को नि:शुल्क कृत्रिम अंग तथा 7 ट्राई साईकिल प्रदान की गई।

अग्रोहा शाखा के आतिथ्य में हरियाणा पश्चिम की प्रान्तीय कार्यकारिणी बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई जिसमें प्रान्तीय दायित्वधारियों ने सक्रीय भागीदारी की।

● सम्पर्क ● सहयोग ● संस्कार ● सेवा ● समर्पण

HARHIN 04839/07/1/2009-TC वर्ष-02 अंक-07 जनवरी-मार्च 2011
(पौष-फाल्गुन २०६७)

विकास सूत्र VIKAS SUTRA

भारत विकास परिषद्, हरियाणा पश्चिम की त्रिमासिक पत्रिका

प्रान्तीय अध्यक्ष
गोपाल कृष्ण पोपली (एडवोकेट)
विजय बुक स्टाल के सामने,
रेलवे रोड़, भिवानी
फोन : 01664-244141, 241411
मो० : 93153-74141
e-mail : gopalpopli@gmail.com

सम्पादक
डॉ. सतीश वर्मा
390, सैक्टर 16-17,
हिसार-125001 (हरि.)
फोन : 01662-250644
मो०: 94663-30999
editorvikassutra@gmail.com

प्रान्तीय महासचिव
नरेन्द्र शर्मा
वार्ड नं० 6, मढ़ कालोनी, रतिया
फोन : 01697-252787 (R), 250064 (O)
मो०: 94163-55975, 92554-14506
e-mail : n4narendersharma@gmail.com

सह-सम्पादक
अनूप कुमार
अनुपम कार्ड गैलरी
रेलवे रोड़, टोहाना
मो०: 94160-45951
e-mail : anupkbvp@gmail.com

प्रान्तीय कोषाध्यक्ष
सुरजीत चावला
मै० चावला स्टीलस,
सरकुलर रोड़, भिवानी
फोन : 01664-251268
मो०: 94160-59217

आमुख चित्रकार
राजेश जांगड़ा
मकान नं. 28, माडल टाउन,
पपीहा पार्क के पीछे,
फतेहाबाद-125050
मो०: 98120-72096

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुखभाग भवेत्॥

सम्पादकीय

विकलांग बन्धुओं को भावनात्मक अवलम्ब दें

आरोग्यता ईश्वर की सबसे सुन्दर नियामत है। हम चाहते हैं कि विश्व के सभी व्यक्ति निरोग रहें, उनके सभी अंग पूर्ण क्रियाशीलता के साथ जीवन भर उनका साथ दें। परन्तु जीवन में दुर्घटनाओं, पोलियो या जन्मजात कमी की वजह से कुछ व्यक्ति विकलांगता का शिकार हो जाते हैं। जीवनयापन के आवश्यक कार्यों को करने में उन्हें कठिनाई होती है। फिर भी ऐसे अनेकानेक उदाहरण हैं कि विकलांग बन्धुओं ने अपनी शारीरिक कमजोरी को दरकिनार करते हुए जीवन में महान लक्ष्यों को हासिल किया है। उन्होंने विकलांगता को कभी अभिशाप नहीं समझा अपितु अपने दृढ़संकल्प तथा जिंदादिली से इसे सक्षमता में बदल दिया। जीवन में नई ऊँचाइयों को छूने वाले ऐसे व्यक्ति दया के नहीं बल्कि सम्मान के पात्र हैं तथा लाखों-करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। नेत्रहीन सूरदास जी के भजनों की मिठास आज भी अमर है। वर्णान्धता के शिकार डाल्टन के परमाणु के आविष्कार का पूरा विश्व ऋणी है। सुधा चन्द्रन ने कृत्रिम टांग के सहारे नृत्य के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाकर विकलांगता को छोटा कर दिया है।

मेरा मानना है कि शारीरिक कमजोरी पर मानसिक मजबूती तथा दृढ़ इच्छाशक्ति से विजय पाई जा सकती है। मैंने एक लेख में पढ़ा था कि अमेरिका में एक चार साल की बच्ची विलमा रूडोल्फ एक बीमारी से चलने-फिरने में पूर्णतः असमर्थ हो गई थी तथा लगातार 3 वर्षों तक बिस्तर पर ही रही। परन्तु उसकी दृढ़ इच्छा थी कि वह संसार की सबसे तेज धावक बने। लगातार मालिश, व्यायाम तथा जीने की जिद से वह ठीक हुई तथा 1960 के रोम ओलम्पिक खेलों में 100, 200 तथा 400 मी. दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर पूरे विश्व को आश्चर्य में डाल दिया।

मैं पाठकों से आह्वान करता हूँ कि अपने आस-पास रह रहे विकलांगों के हाथों में भीख का कटोरा न रहे, इसके लिए उन्हें भावनात्मक अवलम्ब दें। उनमें दृढ़ इच्छा शक्ति तथा सम्मानपूर्वक जीने का भाव जगाएं। कृत्रिम अंगों के सहारे उन्हें खड़ा करके अपनी आजीविका कमाने के लिए प्रेरित करें। मुझे इसकी प्रसन्नता है कि भारत विकास परिषद् के सदस्य इस क्षेत्र में सराहनीय योगदान दे रहे हैं। विकलांग पुनर्वास केन्द्र, हिसार विकलांग बन्धुओं के पुनर्वास के लिए व्यावहारिक कार्य कर रहा है। शाखा स्तर पर विकलांग सहायतार्थ शिविरों का आयोजन समाजहित में प्रशंसनीय योगदान है। विकलांगों की सेवा तथा पुनर्वास कार्यों से जुड़ा प्रत्येक व्यक्ति वन्दनीय है।

- डॉ० सतीश वर्मा

सम्पादक, विकास सूत्र

विकलांगता को अभिशाप न समझें

जिंदगी जिंदादिली का नाम है। आंधियों में भी जो जलने का साहस करता है वो ही जिंदादिल चिराग कहलाता है। प्रकृति जीवन में बाधाएं लाती है, कष्टों से गुजारती है, परन्तु जो उन्हें हंसते-हंसते पार करता है वो ही समाज में सम्मान पाता है, हिम्मतवाला कहलाता है। प्रकृति ने हमारे समाज में कुछ व्यक्तियों को कुछ अंगों से महरूम किया है, उन्हें विकलांगों की श्रेणी में गिना जाता है। परन्तु मेरा मानना है कि वे बन्धु विकलांग नहीं हैं जिन्होंने मानसिक दृढ़ता से शारीरिक कमी पर विजय पाई है। अपनी दिनचर्या के सभी आवश्यक कार्य करते हुए समाजहित के कार्यों में भी योगदान दिया है। ऐसे व्यक्ति समाज का अभिन्न और सम्माननीय हिस्सा हैं।

भारत विकास परिषद् द्वारा पूरे भारतवर्ष में विकलांगों के लिए पुनर्वास योजना के तहत उन्हें जीवन यापन के योग्य बनाया जाता है तथा जरूरतमंद विकलांग बन्धुओं को नि:शुल्क कृत्रिम अंग भी प्रदान किए जाते हैं। पोलियो के आप्रेशन शिविर लगाकर तथा उन्हें ट्राइसाइकिल देकर एक सहयोग किया जाता है। हमारा मकसद है कि विकलांग बन्धु एक स्वस्थ मनुष्य की तरह अपने जीवन का निर्वाह करें, अपने प्रतिदिन के कार्य करें तथा अपने परिवार का पालन पोषण करें। मैं इस दिशा में हरियाणा पश्चिम की विभिन्न शाखाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करता हूं।

मैं भारत विकास परिषद् हरियाणा पश्चिम् के सभी सदस्यों को नव सम्वत् 2068 की शुभकामनाएं देता हूँ तथा आशा करता हूँ कि सभी शाखाएं इस नव सम्वत् में विकलांग बन्धुओं के पुनर्वास तथा स्वावलम्बन के लिए अपना अमूल्य योगदान देंगे। इससे आपको आत्मिक प्रसन्नता का अविस्मरणीय अनुभव होगा। पिछले वर्ष कई शाखाओं ने विकलांग बन्धुओं के लिए कार्य किया जिसमें विवेकानन्द तथा वीर शाखा हिसार, टोहाना शाखा तथा विकलांग पुनर्वास केन्द्र, हिसार के कार्य व्यवहारिक व प्रशंसनीय है। मैं उम्मीद करता हूं कि विकलांग साथियों को सम्बल देने के लिए हमारा प्रयास सदैव जारी रहेगा।

औरों के आंसू पोंछकर तो देखो, मुस्कुराना आ जाएगा।
बेसहारों का सहारा बनकर तो देखो, जीवन सुहाना हो जाएगा॥

- गोपाल कृष्ण पोपली
प्रान्तीय अध्यक्ष, हरियाणा पश्चिम

विकलांग पुनर्वास केन्द्र, हिसार : एक परिचय

स्थापना :- 30 मई, 1999, ऋषि नगर, हिसार

संचालन :- हरियाणा भारत विकास फाऊंडेशन, हिसार
(पंजीकरण नं० 566, दिनांक 16-02-1999)

विकलांग सहायता :- जयपुर फुट टेक्नोलॉजी के आधार पर कृत्रिम हाथ, कृत्रिम पैर, आर्थो शूज, व बैशाखी का निर्माण

- अब तक 121 विकलांग कैम्पों का आयोजन तथा विकलांगों में 8935 कृत्रिम अंगों का नि:शुल्क वितरण। अनुमानित लागत - एक करोड़ से अधिक।

पोलियो आप्रेशन कैम्प :- 8 पोलियो आप्रेशन कैम्पों में 381 पोलियो के मरीजों का सफल आप्रेशन।

पुनर्वास योजना :- केन्द्र में विकलांग बन्धुओं के लिए सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त इलैक्ट्रिक मोटर-वाईंडिंग, टी.वी. रिपेयर, सिलाई कढ़ाई तथा कम्प्यूटर कोर्सों की नि:शुल्क सुविधा।

- अब तक 298 विकलांगों को प्रशिक्षित करके पुनर्वास किया गया।
- कोर्स के दौरान छात्रवृत्ति तथा बस पास की सुविधा।

आगामी योजना :- अत्याधुनिक कृत्रिम अंग निर्माण शाला।

- विकलांग विद्यार्थियों के लिए छात्रावास।
- विश्वस्तरीय नए विकलांग पुनर्वास केन्द्र का निर्माण।

सहयोग की अपील :- भारत विकास परिषद् शाखा स्तर पर विकलांग कैम्पों का आयोजन करें।

- 1100 रु. / 2100 रु. या 5100 रु. के वार्षिक दानकर्त्ता बनें।
- परिवार में खुशी या जन्मदिन पर विकलांगों की मदद करें।

नोट :- विकलांग पुनर्वास केन्द्र में दान दी गई राशि पर आयकर की धारा 80-जी के अन्तर्गत छूट उपलब्ध है।

आप द्वारा दिया गया सहयोग एक विकलांग व्यक्ति के जीवन में क्रान्तिकारी परिवर्तन ला सकता है। आओ विकलांग बन्धुओं में आत्मविश्वास, आत्मसम्मान तथा आत्मनिर्भरता की ज्योत प्रज्ज्वलित करें।

- सुरेन्द्र कुच्छल
कार्यकारी अध्यक्ष, विकलांग पुनर्वास केन्द्र, हिसार

सरकार द्वारा विकलांगों को दी जाने वाली सुविधाएं

विकलांग व्यक्तियों के लिए सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाएं एवं प्राप्त करने की विधि निम्नलिखित है जिसे भारत विकास परिषद्, की शाखाएं विकलांग बंधुओं का मार्ग दर्शन करके यह पुण्य कार्य कर सकती हैं।

किसी भी प्रकार की सरकारी सहायता प्राप्त करने के लिए विकलांगता प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है जो की मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी किया जाता है। विकलांगता प्रमाण पत्र में प्रमाणित की गयी विकलांगता की प्रतिशत के आधार पर ही वह किसी भी सरकारी सहायता प्राप्त करने का पात्र होता है।

बस–पास :– समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रकाशित फार्म (विकलांगता पहचान पत्र हेतू), पात्रता :– विकलांगता प्रतिशत 100 %

1. वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के हस्ताक्षर।
2. फार्म सरपंच/ नगरपालिका सचिव से सत्यापित करवाएं।
3. फार्म के साथ 2 फोटो, राशन कार्ड की फोटो प्रति, विकलांगता प्रमाण पत्र की फोटो प्रति साथ लगवाएं।

उपरोक्त प्रक्रिया के पश्चात यह फार्म जिला समाज कल्याण विभाग में जमा करवाया जाता है तथा विभाग द्वारा विकलांगता पहचान पत्र जारी किया जाता है विकलांगता पहचान पत्र पर रोडवेज महाप्रबन्धक के सत्यापन के पश्चात यह विकलांगता पहचान पत्र बस पास के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

रेल–पास :– रेलवे विभाग द्वारा प्रकाशित फार्म सभी रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध रहते हैं। पात्रता :– विकलांगता प्रतिशत 70 % या उससे अधिक।

1. वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के हस्ताक्षर।
2. फार्म के साथ 2 फोटो, राशन कार्ड की फोटो प्रति, विकलांगता प्रमाण पत्र की फोटो प्रति साथ लगवाएं।

उपरोक्त प्रक्रिया के पश्चात् यह फार्म ही रेलवे पास के रूप में प्रयोग किया जाता है। तथा इस फार्म की फोटो प्रति को रेलवे स्टेशन में रियायती टिकट लेने के लिए प्रयोग किया जाता है।

विकलांग पैन्शन :– समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रकाशित फार्म विभाग से उपलब्ध होता है। पात्रता :– विकलांगता प्रतिशत 70 % या उससे अधिक तथा आयु 18 वर्ष से ऊपर।

1. वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के हस्ताक्षर
2. फार्म सरपंच/ नगरपालिका सचिव एवं नगर पार्षद व पटवारी के हस्ताक्षर सहित सत्यापित करवाएं।

3. फार्म के साथ 2 फोटो, राशन कार्ड की फोटो प्रति, विकलांगता प्रमाण पत्र की फोटो प्रति साथ लगवाएं।

4. फार्म के साथ एक शपथ पत्र लगवाएं।

उपरोक्त प्रक्रिया के पश्चात यह फार्म जिला समाज कल्याण विभाग में जमा करवाएं। कुछ समय पश्चात् नगरपालिका अथवा पंचायत के माध्यम से विकलांगता प्रतिशत एवं पात्र की शिक्षा के आधार पर पैन्शन शुरू हो जाती है।

विकलांगता को ही विकलांग बना दिया

इन्सान में अगर कुछ करने की इच्छा हो तो वह किसी भी कमी पर विजय पा सकता है, चाहे वह कमी शारीरिक ही क्यों न हो। यदि दृढ़ इच्छाशक्ति हो कुछ करने की, तो वह कमजोरी भी ताकत बन जाती है। ऐसा ही उदाहरण मदन लाल ने पेश किया है। मदन लाल ने आत्म विश्वास एवं दृढ़ इच्छाशक्ति से विकलांगता को भी मात दे दी है।

45 वर्षीय मदन लाल बनगांव फतेहाबाद के रहने वाले हैं तथा जन्म से ही उसके दोनों हाथ नहीं हैं। जरा कल्पना करें कि हमारे दोनों हाथ बंधे हों और हमें अपने कपड़े पहनने हों या शेव करनी हो, तो क्या यह हमारे लिए संभव है? शायद नहीं। परन्तु मदन लाल अपने रोजमर्रा के कार्य जैसे नहाना, कपड़े पहनना, शेव करना, कंघी करना, लिखना, खाना बनाना इत्यादि खुद बिना किसी की सहायता से करते हैं। इसके अतिरिक्त वह किसी पर आश्रित न रहके अपनी आजीविका कपड़ों की सिलाई करके कमाते हैं। दोनों हाथों से विकलांग मदन लाल सिलाई का कार्य जैसे सिलाई मशीन चलाना, सुई में धागा डालना, कैंची से कपड़ा काटना, इलैक्ट्रीक रिपेयर करना इत्यादि खुद अपने पैरों से करते हैं। उनके दो पैर ऐसे कार्य करते हैं जैसे अन्य लोगों के दो हाथ कार्य करते हैं।

7वीं तक पढ़े मदन लाल 2010 में इस उल्लेखनीय क्षमता के कारण मुख्यमंत्री से सम्मानित भी हो चुके हैं। आशा है कि मदन लाल का उदाहरण निश्चय ही उन विकलांग व्यक्तियों के लिए प्रेरणाप्रद होगा जो इस जीवन में आई विकलांगता को अभिशाप मान चुके हैं।

''मंजिले उनको मिलती हैं जिनके सपनों में जान होती है,
पंखों से कुछ नहीं होता, हौसलों से ही उड़ान होती है॥''

– अनूप कुमार
सहसम्पादक, विकास सूत्र
प्रान्तीय संयोजक, राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता

शाखा बरवाला ने गणतंत्र दिवस मनाया

डॉ० अनंतराम योग आश्रम में शाखा बरवाला द्वारा भारती विद्या मन्दिर बरवाला के सहयोग से गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। ध्वजारोहण मुख्य अतिथि संतोष गर्ग, चेयरमैन नगरपालिका ने किया। विशिष्ट अतिथि डॉ० यशोब सिंह, डॉ० अजीत मुंजाल व बुधराम गुप्ता थे। भारती विद्या मन्दिर बरवाला व संत सत्यानंद विद्या मंदिर के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ० अनंतराम बरवाला को उनकी सामाजिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। बच्चों ने देश भक्ति गीत, नाटक, भाषण, कविताएं, एकल नृत्य व समूह नृत्य पेश करके जनता का मन मोह लिया। दर्शकों ने कार्यक्रम की खूब सराहना की। इस अवसर पर दर्शकों की भरपूर संख्या कार्यक्रम देखने के लिए पूरे समय तक उपस्थित रही।

पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि हलका विधायक रामनिवास घोड़ेला ने पुरस्कार प्रदान किये तथा भारत विकास परिषद के द्वारा किए गए समाज हित के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। उन्होंने अपने व्यक्तव्य में कहा कि बरवाला में विकास कार्य शीघ्र अति शीघ्र करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज के दिन 26 जनवरी, 1950 को भारत गणराज्य बना था और संविधान लागू हुआ था।

इस अवसर पर पूर्व सरपंच सज्जन गर्ग भी उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि बबीता रानी पार्षद, राजेश सैनी ने भी बच्चों को सम्मानित किया। मंच संचालन सचिव सतबीर नेहरा व महेश कपिल ने किया। इस कार्यक्रम के प्रकल्प प्रमुख साधुराम जाखड़ व मोहन लाल रहेजा थे। इस अवसर पर शिव कुमार कौशिक, डॉ० सी.बी. बंसल, डॉ० वजीर गिल, डॉ० सुंदर लाल चावला, बजरंग जैन, सुरेश भैणी, कुजलीत सहारण, सतीश मुंजाल, राधेश्याम महता, प्रकाश पुनिया, हंसराज, भारत भूषण, रघुवीर पुनिया, गणेश वलेचा, नंद कुमार गर्ग, वीरभान मिड्ढा, विनोद धवन, सतीश कुमार, केवल कृष्ण आर्य, कृष्ण चौहान, रमेशचंद सिंगला, ओमप्रकाश रहेजा, ओमप्रकाश मनचंदा, धर्मबीर फौजी, धर्मपाल शर्मा, संजीव नरूला, नवीन सोनी, विनोद सेतिया, राजा महता, अजीत बेनीवाल, रामदेव आर्य, ओमप्रकाश वर्मा, रामनिवास प्रवक्ता आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम की अन्तिम कड़ी में अध्यक्ष महेन्द्र सेतिया ने सभी मेहमानों, विद्यालयों व दानी सज्जनों का धन्यवाद किया।

– सतबीर नेहरा

सचिव, शाखा बरवाला

स्वैच्छिक रक्तदान-शंका एवं समाधान

मुझे रक्तदान क्यों करना चाहिए?

1. क्योंकि आप ही इसके एक मात्र स्त्रोत हैं।
2. क्योंकि कई रोगियों को इसकी आवश्यकता होती है।
3. क्योंकि आप स्वस्थ हैं।
4. क्योंकि इससे आपको कोई नुकसान नहीं होता है।
5. क्योंकि आप दूसरों की परवाह करते हैं।

रक्तदान करने पर क्या मुझे कमजोरी महसूस होगी?

आपके शरीर में लगभग 5-6 लीटर रक्त होता है। आप केवल 350-450 मि. लीटर रक्त का दान करते हैं। जो कि 24 से 36 घंटों के अंदर-अंदर आपकी रक्त प्रणाली द्वारा वापिस बन जाता है। आप रक्तदान करने के तुरंत बाद ही काम पर जा सकते हैं।

क्या यह हानिकारक है?

नहीं, कभी नहीं। किसी भी रक्तदाता से पूछें।

रक्तदान करने पर क्या मुझे एड्स और हिपेटाइटिस जैसी बीमारियां हो सकती हैं?

यह संभव नहीं है। रक्त इकट्ठा करने के लिए डिस्पोजेबल सामान ही उपयोग में लिए जाते हैं। रक्तदाता को रोग-संक्रमण का कोई खतरा नहीं है।

मुझे यह कैसे पता चले कि मैं रक्तदान करने योग्य हूं?

आपके द्वारा रक्तदान तभी किया जा सकता है जब आपका हीमोग्लोबिन 12.5 ग्राम से अधिक हो व चिकित्सक द्वारा स्वस्थ बताए गए हों। आपकी उम्र 18-60 वर्ष के मध्य हो तथा आपका वजन 48 किलो से अधिक हो। अगर आपको कोई बीमारी हुई हो तो चिकित्सक को जरूर बताएं। यह आपके व मरीज की सुरक्षा के लिए अति महत्वपूर्ण है।

मुझे रक्त क्यों देना चाहिए जबकि मैं इसे खरीदने में समर्थ हूँ?

जो रक्त आप पैसे से खरीद सकते हैं जरूरी नहीं कि वह बीमारी रहित हो। इस रक्त के साथ वह बीमारी मरीज तक पहुंच सकती है। क्या आप अपने

किसी प्रियजन की जिन्दगी को खतरे में डालना चाहते है? यह समाज के गरीब वर्ग का शोषण भी है और इसे रोकना चाहिए।

मुझे रक्तदान करने से क्या मिलेगा?

क) कोई भी दान श्रेष्ठ होता है। रक्तदान इन सभी दानों में सर्वोत्तम है क्योंकि यह एक मानव जीवन को बचाता है। किसी की जरूरत में मदद करना आपको संतुष्टि का अनुभव कराता है।

ख) रक्तदान से रक्त के ग्रुप की जानकारी के अलावा अन्य कई बीमारियों का पता लगा सकोगे जिसके बारे में आपको पता नहीं हो।

मैं रक्तदान कब कर सकता हूँ?

आप सुरक्षात्मक तरीके से हर तीन महीने में एक बार रक्तदान कर सकते हैं। कृपया करके मित्रों को भी साथ लाऐं।

मैं बहुत व्यस्त हूं, कैसे रक्तदान कर सकता हूँ?

रक्तदान करने में केवल 10 मिनट का समय लगता है। याद रखें आपके थोड़े समय का मतलब है कि किसी की जिन्दगी।

आपको कैसे पता चलेगा कि मेरा रक्त सही प्रकार का है?

रक्त चार वर्ग समूह का होता है। 'A' 'B' 'AB' और 'O' यह Rh Positive व Rh Negative दो प्रकार का हो सकता है। भारत में Rh Negative रक्त मात्र 5% है। सभी प्रकार के रक्त की प्रतिदिन शल्य-चिकित्साओं, प्रसूति, दुर्घटनाओं और खून की कमी में आवश्यकता होती है। आगे किसी भी प्रश्न का इंतजार न करें।

किसी न किसी को कहीं न कही प्रत्येक मिनट में रक्त की जरूरत होती है। आज ही अपना और अपने साथ अपने मित्रों के नाम रक्तदाताओं की सूची में दर्ज कराइए।

- छबील दास महता
प्रान्तीय संयोजक, रक्तदान
मो० 9812331102

हमें अपने अमूल्य समय का एक-एक क्षण परिश्रम में व्यतीत करना चाहिए। इसी में आनन्द है। ऐसा करने से कोई भी क्षण ऐसा नहीं बचता जब हमें चिन्ता या पछतावा हो।

- स्वामी विवेकानन्द

शाखा गतिविधियों की रिपोर्ट

प्रभुवाला (चिकित्सा शिविर) :- 21 नवम्बर, 2010 को प्रभुवाला गाँव में आयोजित निः शुल्क चिकित्सा शिविर में 110 मरीजों की स्वास्थ्य जाँच की गई तथा दवाईयाँ प्रदान की गई। शिविर में मानव सेवा समिति हस्पताल, उकलाना मण्डी के डॉक्टर सच्चित मनोपति ने योगदान दिया।

– **नरेन्द्र भाटिया** (सचिव)

मण्डी आदमपुर (निर्धन बच्चों में गर्म वस्त्र वितरण) :- 19 दिसम्बर, 2010 को 251 जरूरतमंद विद्यार्थियों को नि:शुल्क गर्म वस्त्र प्रदान किए गए। सभी सदस्यों ने इसमें भरपूर सहयोग किया।

– **बलराम गोयल** (सचिव)

ढाणी मोहब्बतपुर (शिक्षक दिवस समारोह) :- 5 सितम्बर, 2010 को शाखा द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी श्री कासी राम बैनीवाल तथा योग्य शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

– **प्रताप सिंह पूनिया** (सचिव)

जींद जयन्ती (रक्तदान शिविर) :- महाराजा सदाव्रत भवन में आयोजित रक्तदान शिविर में 52 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। डॉ० अश्वनी शर्मा की टीम का सराहनीय योगदान रहा।

– **महेश सिंह** (सचिव)

नरवाना (तुलसी वितरण) :- 17 नवम्बर, 2010 को डॉ० भूप सिंह की अध्यक्षता में तुलसी के पौधे वितरित किए तथा तुलसी के गुणों के बारे में बताया गया।

– **रमेश सिंगला** (सचिव)

रतिया (रक्तदान शिविर) :- 27 फरवरी, 2011 को रा० उच्च विद्यालय, दिगोह में एक विशाल रक्तदान शिविर लगाया गया जिसमें 106 यूनिट रक्त इकट्ठा किया गया। प्रान्त स्तर पर कुल 257 यूनिट रक्त में रतिया शाखा का सर्वाधिक योगदान रहा। इस शिविर में स० सतनाम सिंह बैंस मुख्य अतिथि थे तथा श्रीमती नवजीत कौर बराड़ (नालब तहसीलदार भूना) विशिष्ट अतिथि थी। ग्राम सुधार संघ के अध्यक्ष नगेन्द्र सिंह तथा शाखा अध्यक्ष रवीन्द्र मेहता ने शिविर की अध्यक्षता की।

– **गुरविन्द्र सिंह** (सचिव)

तलवाड़ा खुर्द (बाल संस्कार एवं विकास शिविर) :- शाखा द्वारा 19 दिसम्बर, 2010 को सनराईज मैरिज पैलेस में बाल संस्कार एवं विकास शिविर लगाया जिसमें डॉ० के.वी. सिंह मुख्य अतिथि तथा श्री इन्द्र गोयल व रवि सन्दीप भारती ने शिविर की अध्यक्षता की।

– **कृष्ण कुमार बिसरानी** (सचिव)

मण्डी डबवाली (रक्तदान शिविर) :- अरोड़ वंश उच्च विद्यालय में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में 95 स्वयंसेवकों ने ऐच्छिक रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में एस.डी.एम. मुनीष नागपाल मुख्य अतिथि थे जबकि क्षेत्रीय महामन्त्री रमेश गोयल ने अध्यक्षता की।

– **कृष्ण कुमार वधवा** (सचिव)

रानियां (बाढ़ राहत शिविर) :- शाखा सदस्यों द्वारा स्थानीय क्षेत्र में घग्घर नदी के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में लोगों के लिए बाढ़ राहत कार्यों तथा लंगर का प्रबन्ध करके सराहनीय कार्य किया। इसके लिए परिवहन मंत्री श्री ओम प्रकाश जैन ने प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

– **जोगिन्द्र महता** (सचिव)

सीसवाल शाखा के सराहनीय कार्य

- **2 अक्तूबर, 2010** को गाँधी जयंती व पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती बड़े हर्षोल्लास से मनाई गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों को इन महापुरूषों के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया गया।
- **24 नवम्बर, 2010** को श्री सतगुरू जम्भेश्वर विद्यापीठ में ''भारत को जानो'' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें गाँव के 9 विद्यालयों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दोनों वर्गों में सरस्वती विद्या मन्दिर स्कूल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- **14 जनवरी, 2011** को मकर सक्रांति के पावन अवसर पर गाँव के जरूरतमंद व्यक्तियों को गर्म वस्त्र प्रदान किए।
- **23 जनवरी, 2011** को शाखा का स्थापना दिवस बड़े धूम-धाम से मनाया गया जिसमें कैथल के सैसन जज श्री रामसिंह बसवाना मुख्य अतिथि थे तथा गाँव के सरपंच मोहर सिंह भाटी ने अध्यक्षता की।

– **सुनील दत्त शर्मा**
सचिव

भिवानी शाखा द्वारा संस्कृति सप्ताह मनाया गया

भिवानी शाखा द्वारा 14 फरवरी से 20 फरवरी 2011 तक संस्कृति सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न आयोजन किए गए।

14 फरवरी - विचार गोष्ठी :- केशव धाम में आयोजित विचार गोष्ठी में एकात्मक मानवदर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ० महेश चन्द्र शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए।

15 फरवरी - सुलेख प्रतियोगिता :- द्रोणाचार्य शिक्षा निकेतन में कार्यक्रम संयोजिका विजय लक्ष्मी अग्रवाल के मार्गदर्शन में सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

16 फरवरी - नाक-कान-गला चिकित्सा शिविर :- श्री विद्या सागर चैरिटेबल हस्पताल में आयोजित शिविर में रोगियों की नि: शुल्क जाँच की गई तथा दवाईयाँ भी दी गई। कार्यक्रम संयोजक श्री सुरजीत चावला थे।

17 फरवरी - चित्रकला प्रतियोगिता :- सैनिक हाई स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता हुई तथा विजेताओं को मुख्य अतिथि श्री रामनारायण सिवानी वाले ने पुरस्कार प्रदान किए।

18 फरवरी - दन्त चिकित्सा शिविर :- इस शिविर में शहर के कई लोगों की नि: शुल्क दन्त जाँच की गई तथा जरूरतमंदों की चिकित्सा भी की गई। इसमें डॉ० यामिनी ने अपनी सेवाएं दी।

19 फरवरी - योग शिविर :- मनौती उपवन में प्रात: 6 से 8 बजे तक योग शिविर लगाया गया। मुख्य अतिथि डॉ० मदन मानव थे।

20 फरवरी - परिवार मिलन, शाखा चुनाव एवं सम्मान समारोह :- मढ़ी तेलीवाड़ा में आयोजित सम्मान समारोह में सदस्यों को सम्मानित किया गया तथा शाखा के चुनाव भी सम्पन्न हुए। प्रान्तीय अध्यक्ष श्री गोपाल कृष्ण पोपली ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

- विजय लक्ष्मी अग्रवाल,
सचिव, शाखा भिवानी

आत्मचिंतन, आत्मविश्वास और आत्म निर्माण के बिना मनुष्य एक प्रकार का निर्जीव कीड़ा है।

रक्तदान शिविर लगाया गया

विवेकानन्द शाखा, हिसार के तत्वावधान में नलवा लैबोरेट्री हिसार में 20 फरवरी 2011 को एक रक्तदान शिविर लगाया गया जिसमें कुल 50 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। इस शिविर में जीवन बीमा निगम हाउसिंग फाईनैंस लिमिटेड के राकेश सेतिया मुख्य अतिथि थे। प्रकल्प प्रमुख विजय टक्कर एडवोकेट ने बताया कि रक्तदान शिविर में डा. कमल गुप्ता तथा डॉ. कुलदीप सिंह का मुख्य योगदान रहा। प्रैस सचिव सुशील वधवा के अनुसार शिविर में कुल 17 शाखा सदस्यों ने रक्तदान किया जिसमें 4 महिला सदस्या भी थी। महिला सदस्यों में नेहा सुपुत्री नरेश शर्मा, गजल पत्नी नरेश शर्मा, कंवलजीत मदान धर्मपत्नी भूपिन्द्र मदान तथा मीनाक्षी लाहौरिया धर्मपत्नी सुरेन्द्र लाहौरिया ने रक्तदान किया। इनके साथ ही सुशील वधवा, विजय चावला, अमर गोयल, राजेश बैनीवाल, विक्रम सिंह, अरूण शर्मा, प्रदीप मित्तल, शक्ति अग्रवाल, राकेश बंसल, विजय सिंगल, विजय टक्कर, संजय गर्ग तथा अमित शंकर बंसल ने भी रक्तदान करके अपना अमूल्य योगदान दिया। शिविर में शाखा अध्यक्ष विनोद मुंजाल, सचिव राजेश जैन, कोषाध्यक्ष नरेश बंसल, डॉ. सतीश वर्मा, मनोज चुघ, जितेन्द्र महाजन, सुरेन्द्र लाहौरिया, आनंद गुप्ता, जगमोहन, भूपिन्द्र मदान, महिला प्रमुख इन्दु मुंजाल, सहमहिला प्रमुख मीनू वधवा, सीमा चुघ, आभा मित्तल आदि भी उपस्थित थे।

– राजेश जैन एडवोकेट
सचिव, विवेकानंद शाखा, हिसार

हरियाणा पश्चिम की प्रान्तीय बैठक सम्पन्न

हरियाणा पश्चिम की प्रान्तीय कार्यकारिणी की बैठक अग्रोहा में रवि प्रोपर्टीज कार्यालय में क्षेत्रीय चेयरमैन सी.पी. आहुजा की अध्यक्षता में हुई जिसमें प्रान्तीय अध्यक्ष गोपाल कृष्ण पोपली, महासचिव नरेन्द्र शर्मा व प्रान्तीय कोषाध्यक्ष सुरजीत चावला ने अपने-अपने विचार रखें। बैठक में परिषद के कार्यों की समीक्षा की गई। जिसमें सदस्यता में 30 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है जो कि प्रशंसनीय है। सभी जिला अध्यक्षों व सचिवों से अपने-अपने जिले में शाखाओं का वृत लिया गया और नई शाखाओं की जानकारी ली गई। सभी राज्य कार्यकारिणी सदस्यों ने अपने कार्यों का वर्णन किया और परिषद् कार्य बारे विचार रखे। प्रांतीय अध्यक्ष गोपाल कृष्ण पोपली ने अपने प्रेरणादायी वक्तव्य से आह्वान किया कि परिषद कार्य को और गति दी जाए जिससे समाज को उचित दिशा मिल सके।

– केवल कृष्ण अरोड़ा
संगठन सचिव, हरियाणा पश्चिम

बाल संस्कार शिविर का आयोजन

वीर शाखा, हिसार द्वारा 25–26 दिसम्बर, 2010 को कैन्ट पब्लिक स्कूल, हिसार कैन्ट में बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 11 विद्यालयों के 232 लड़के व लड़कियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम द्वारा बच्चों को आदर्श दिनचर्या सिखाई गई। सुबह प्रार्थना के बाद बच्चों को प्राणायाम एवं व्यायाम के साथ–साथ खेल करवाए गए। नाश्ते के बाद ग्रुप वार्तालाप में "स्वास्थ्य व हमारा व्यव्हार" तथा "सफलता कैसे प्राप्त की जाए?" आदि विषयों पर आठ ग्रुपों में वार्तालाप की गई। श्री देवा सिंह, उपनिरीक्षक यातायात की टीम द्वारा बच्चों को यातायात के नियमों की जानकारी दी गई। बौद्धिक विषय पर श्रीमती सरोज शर्मा द्वारा व्याख्यान दिया गया। आचार्य मोहन श्याम आर्य द्वारा बच्चों को आशीर्वाद दिया गया।

भाविप हरियाणा पश्चिम के बाल संस्कार प्रमुख रवि सन्दीप भारती ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए बच्चों को कुछ बुराईयों को छोड़ने व अच्छाईयों को अपनाने का संकल्प करवाया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि एस०डी०एम० अमरदीप जैन ने वृक्षारोपण किया तथा 12 विकलांग भाई बहनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रदान किए। सुखदा हस्पताल के बालरोग विशेषज्ञ समीर टुटेजा व दंत रोग विशेषज्ञ वरूण सीधर ने बच्चों को बीमारियों से दूर रहने के रहस्य बताए। शाखा के संरक्षक इन्द्रजीत शर्मा द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। शाखा सचिव जगत सिंह लोहान ने अतिथियों का परिचय करवाया। सुबह योग का सत्र शाखा अध्यक्ष श्री महीपाल सिंह यादव द्वारा लिया गया जिसमें विशेष रूप से बच्चों से संबंधित योगाभ्यास करवाया गया।

विद्यार्थियों में भ्रांतियां दूर करने के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें अध्यक्ष महीपाल सिंह यादव के परिवार के पांच सदस्यों, कोषाध्यक्ष गणेशदत्त शर्मा, संयोजक पी.सी. शर्मा, प्रिंसीपल वीरेन्द्र यादव सहित 50 लोगों द्वारा रक्तदान किया गया। समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि आई.एस. फोगाट चेयरमैन हरियाणा ग्रामीण बैंक व कार्यक्रम अध्यक्ष सतीश वर्मा द्वारा बच्चों को उच्च कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सातरोड के सरपंच नरेश पूनिया, रामस्वरूप, अंकुर, बिशनदास भुटानी, मदन लाल यादव, मिथिलेश शास्त्री, रमेश शर्मा, श्रीमती रमा यादव, श्रीमती कृष्णा शर्मा सहित अनेक गणगान्य लोग उपस्थित थे।

– महिपाल सिंह यादव

अध्यक्ष, वीर शाखा, हिसार

शाखा स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिताएं

आदमपुर :- शाखा आदमपुर के तत्वावधान में बहुतकनीकी संस्थान के बहुउद्देशीय हॉल में शाखा स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में विश्वास स्कूल और बाल भारती स्कूल की टीमों ने बाजी मारते हुए ट्राफी पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्यातिथि उपश्रम आयुक्त पालाराम करीर ने किया। अध्यक्षता संस्थान के इलेक्ट्रोनिक्स विभागाध्यक्ष एम०एल० गोदारा ने की। प्रतियोगिता में धर्म, संस्कृति, इतिहास, खेल, विविध, विजुअल सहित अनेक राउंड खेले गए। इसमें सीनियर वर्ग में व्यापार मंडल विश्वास स्कूल ने बाजी मारते हुए फाइनल राउंड में 100 अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि आदर्श हाई स्कूल 90 अंकों के साथ द्वितीय रहा। इसी तरह जूनियर वर्ग में व्यापार मंडल विश्वास स्कूल और बाल भारती हाई स्कूल की टीम ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि नॉदर्न स्कूल ने द्वितीय स्थान पाया। विजेता टीमों को मुख्यातिथि व परिषद् अध्यक्ष एच०सी० गोयल ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में क्विज मास्टर की भूमिका राकेश शर्मा, स्कोरर की भूमिका अरूण गुप्ता ने निभाई जबकि मंच का संचालन सतीश गोयल ने किया।

– **बलराम गोयल** (सचिव)

भूना :- 25 नवम्बर 2010 को न्यू होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल, भूना में आयोजित प्रतियोगिता में कुल 48 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ श्री अजीत सिंह झाझड़िया (बीमा विकास अधिकारी) ने किया। कनिष्ठ वर्ग में न्यू होली चाईल्ड पब्लिक स्कूल तथा वरिष्ठ वर्ग में भारत पब्लिक स्कूल के छात्र प्रथम रहे। जिया लाल बंसल तथा बालकृष्ण शर्मा ने प्रतिभागियों से प्रश्न पूछे। विशिष्ट अतिथि डॉ. औमप्रकाश भाखर ने विजेता टीमों तथा सर्वाधिक भागीदारी के लिए शांति निकेतन सी.सै. स्कूल भूना को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण शर्मा, सचिव धर्मपाल गोयल, उपाध्यक्ष राजेश नेहरा व महेन्द्र डेलू, सुरेश वठला, सुरेन्द्र हंस, राजेश चराया, अमित लीखा, प्रदीप बंसल, नरेन्द्र शास्त्री, मदन गोयल, अजय तायल सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

– **धर्मपाल गोयल** (सचिव)

सफीदों :– 28 नवम्बर 2010 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सफीदों में आयोजित प्रतियोगिता में 25 विद्यालयों की 46 टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि श्री राजेन्द्र शर्मा (प्रधान, सरपंच एसोसिएशन, सफीदों), विशिष्ट अतिथि श्री मनोज दीवान (उपप्रधान, नगरपालिका, सफीदों), कार्यक्रम अध्यक्ष अरूण गौत्तम (प्रान्तीय संयोजक, नेत्रदान प्रकल्प), अश्वनी सैनी (शाखा अध्यक्ष), डॉ. लख्मी गर्ग (संरक्षक), विजेन्द्र चहल (सचिव), नरेन्द्र बवेजा (उपाध्यक्ष) सहित कई सदस्य तथा गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कनिष्ठ वर्ग में बी.आर.एम.के.ई. पब्लिक स्कूल तथा वरिष्ठ वर्ग में गुरू गोबिन्द सिंह व० मा० विद्यालय सफीदों की टीम प्रथम रही।

– **विजेन्द्र चहल** (सचिव)

हाँसी (भारत को जानो प्रतियोगिता) :– शाखा द्वारा 28 नवम्बर, 2010 को पी.सी.एस.डी. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के सभागार में भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 20 विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। श्री राम स्वरूप पोपली मुख्य अतिथि थे तथा डॉ० सतीश वर्मा ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष श्री दिलबाग वर्मा, संयोजक सुभाष गर्ग तथा कोषाध्यक्ष कशमीरी लाल ने विजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए।

– **रमेश गर्ग** (सचिव)

प्रान्तीय शुल्क व देनदारी

जिन शाखाओं का प्रान्त के प्रति किसी भी प्रकार का शुल्क बकाया है कृपया वे तुरन्त भिवानी ड्राफ्ट बनाकर भेज दें। परिषद् का प्रान्तीय खाता पंजाब नैशनल बैंक में है जोकि सी.बी.एस. शाखा है। जिसका खाता नं० 1182000109083050 है। यदि आपके शहर में भी सी.बी.एस. शाखा है तो आप अपने शहर में ही शुल्क जमा करा सकते हैं। नये वर्ष का सदस्यता शुल्क भी इस खाते में जमा करवा दें।

– **सुरजीत चावला**
प्रान्तीय कोषाध्यक्ष
मो. 94160–59217

अखिल भारतीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता

हरियाणा पश्चिम प्रान्त के तत्वावधान में तथा विवेकानन्द शाखा, हिसार के सहयोग से 13–14 नवम्बर 2010 को स्थानीय न्यू लाहौरिया सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, हिसार में 36वीं अखिल भारतीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता सफलतापूर्वक आयोजित की गई। हरियाणा पश्चिम प्रान्त में पहली बार आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न प्रान्तों से 42 टीमों ने भागीदारी की। राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्रपाल शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री श्री एस.के. वधवा, क्षेत्र–2 चेयरमैन श्री सी.पी. आहुजा, विकलांग केन्द्र के संयोजक डा. रमेश अग्रवाल सहित कई राष्ट्रीय, क्षेत्रीय व प्रान्तीय दायित्वधारियों ने दो दिन कार्यक्रम में उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। दूसरे प्रान्तों से आई टीमों के सदस्यों तथा दायित्वधारियों ने सुन्दर व्यवस्था तथा व्यवस्थित प्रबन्धों के लिए विवेकानन्द शाखा के सदस्यों तथा हरियाणा पश्चिम को बधाई दी। हिन्दी समूहगान प्रतियोगिता में दिल्ली दक्षिण प्रथम, हरियाणा पश्चिम द्वितीय, हरियाणा दक्षिण तृतीय व महाराष्ट्र–2 चतुर्थ स्थान पर रहे। लोकगीत प्रतियोगिता में पंजाब दक्षिण प्रथम, आसाम द्वितीय, पश्चिम बंगाल तृतीय तथा हरियाणा उत्तर चतुर्थ स्थान पर रहे।

– नरेन्द्र शर्मा
प्रान्तीय महासचिव

नई शाखाओं की स्थापना

वीर शाखा के अध्यक्ष महिपाल सिंह यादव के सहयोग से हरियाणा पश्चिम प्रान्त में 2 नई शाखाओं का गठन हुआ है।

1. कालीरावण (अग्रोहा)

अध्यक्ष	–	श्री प्रभु जी कासवाँ	(98966–66507)
सचिव	–	श्री बलजीत नूनिया	(98124–72894)
कोषाध्यक्ष	–	श्री सुभाष गोदारा	(99913–74936)

2. सदलपुर (आदमपुर)

अध्यक्ष	–	श्री औम प्रकाश	(94161–05395)
सचिव	–	श्री सुशील कुमार	(94164–35151)
कोषाध्यक्ष	–	श्री विजय कुमार	(98132–25685)

– नरेन्द्र शर्मा
प्रान्तीय महासचिव

प्रान्त स्तरीय "भारत को जानो प्रतियोगिता" भूना में सम्पन्न हुई

भूना शाखा के आतिथ्य में हरियाणा पश्चिम प्रान्त की प्रान्त स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता 12 दिसम्बर 2010 को जी.डी. कॉलेज, भूना में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि राजेन्द्र सिंह सुथार गंगवा ने किया और अध्यक्षता श्री चन्द्रसेन जैन ने की। कनिष्ठ तथा वरिष्ठ वर्ग से कुल 52 टीमों ने भाग लिया। भारत भूषण ऐलावादी ने प्रतिभागी टीमों से 10 राउंड में विभिन्न विषयों के प्रश्न पूछे। कनिष्ठ वर्ग में जीन्द प्रथम, ऐलानाबाद द्वितीय तथा अग्रोहा तृतीय रहा। जबकि वरिष्ठ वर्ग में जीन्द प्रथम, भिवानी द्वितीय तथा फतेहाबाद तृतीय रहें। सभी विजेता टीमों को नकद पुरस्कार तथा स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। जी.डी. कॉलेज के निदेशक डॉ. जितेन्द्र कुमार को सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

कुशल मंच संचालन प्रान्तीय महासचिव नरेन्द्र शर्मा तथा शाखा सचिव धर्मपाल गोयल ने किया। प्रान्तीय अध्यक्ष गोपाल कृष्ण पोपली, शाखा अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण शर्मा ने सभी प्रतिभागी टीमों तथा अतिथियों का धन्यवाद किया। रविन्द्र कौर और करनैल सिंह ने देश भक्ति के गीत प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में केन्द्रिय पर्यवेक्षक प्रो. नरेश बत्तरा, क्षेत्रीय चेयरमैन चन्द्र प्रकाश आहुजा, राष्ट्रीय बाल संस्कार प्रमुख श्रीमती अविनाश शर्मा, प्रान्तीय संगठन सचिव केवल कृष्ण अरोड़ा, रामकुमार शर्मा, बी.आर. चौधरी, हेमन्त बैजलपुरिया, प्रमोद मोंगा, सतीश पाल, अजय मेहता, केवल डावर, शेर सिंह खिचड़, रिछपाल शर्मा, लालचन्द सेठी, दिनेश सहारण, पंकज खट्टर और राकेश गर्ग सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

– जिया लाल बंसल
कार्यक्रम संयोजक

हार्दिक बधाई

भारत विकास परिषद् के क्षेत्रीय मंत्री श्री रमेश चन्द्र गोयल को जल संरक्षण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए दैनिक भास्कर समूह द्वारा जल स्टार अवार्ड से सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि पर हरियाणा पश्चिम की तरफ से उनको हार्दिक बधाई।

द्वितीय प्रान्तीय परिषद् बैठक बागबां में सम्पन्न

हरियाणा पश्चिम प्रान्त की द्वितीय प्रान्तीय परिषद् बैठक फतेहाबाद शाखा के सहयोग से बागबां में 13 फरवरी, 2011 को श्री चन्द्र प्रकाश आहूजा (क्षेत्रीय चेयनमैन) की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक में कुल 23 शाखाओं के दायित्वधारियों ने भागीदारी की। बैठक में पूजनीय स्वामी दिव्यानंद जी महाराज ने अपने प्रवचनों में छोटे-छोटे उदाहरणों से उपस्थित सदस्यों को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। स्वामी जी की उपस्थिति ने बैठक के वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया।

बैठक के दौरान सभी शाखाओं के सचिवों ने शाखाओं की वर्ष भर की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा आर्यभट्ट हाई स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यकारिणी बैठक में प्रस्तावित निम्न निर्णयों को सर्वसम्मति से पारित किया गया :-

1) रा. समूहगान प्रतियोगिता में निर्णयों के लिए बुलाए गये निर्णायक मण्डल को 250 रुपये (मानधन) प्रति निर्णायक व स्मृति चिन्ह अनिवार्य रूप से शाखा द्वारा दिये जाएं।

2) शाखा में यदि कोई राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य स्तर का दायित्वधारी है तो वह अनिवार्य रूप से शाखा का कार्यकारिणी सदस्य है।

3) कार्यक्रम में लगाये जाने वाले बैनर पर परिषद् व कार्यक्रम का उल्लेख रहेगा। दायित्वधारियों के नाम बैनर पर ना लिखें जाए।

4) परिषद् द्वारा करवाया जाने वाला प्रत्येक कार्यक्रम संस्कारित व मर्यादित होना अनिवार्य है।

5) 12 जनवरी विवेकानन्द जयन्ती को प्रान्त की सभी शाखाएं युवा विकास दिवस के रूप में अनिवार्य रूप से मनाएं।

6) शाखा में नए सदस्य बनाने के लिए 5 सदस्यों की कोर कमेटी होना अनिवार्य है। कोर कमेटी में निम्न सदस्य होगें : (i) संस्थापक अध्यक्ष (ii) शाखा में राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य कार्यकारिणी सदस्य (iii) संरक्षक/वरिष्ठ सदस्य (iv) वर्तमान अध्यक्ष (v) वर्तमान सचिव

यदि संस्थापक अध्यक्ष वर्तमान में शाखा का सदस्य नहीं है तो उनके बाद के अध्यक्ष को संस्थापक अध्यक्ष माना जाए। शाखा अपनी मर्जी से यह कोर कमेटी नहीं बदलेगी।

बैठक के अन्त में श्री चन्द्र प्रकाश आहूजा द्वारा 2011-12 के लिए प्रान्त के चुनाव करवाए गये व सर्वसम्मति से सभी सदस्यों ने श्री गोपालकृष्ण पोपली को प्रान्तीय अध्यक्ष, श्री नरेन्द्र शर्मा को प्रान्तीय महासचिव व श्री सुरजीत चावला को प्रान्तीय कोषाध्यक्ष चुना।

– **नरेन्द्र शर्मा**
प्रान्तीय महासचिव

अक्तूबर को संस्कृति माह के रूप में मनाया

फतेहाबाद शाखा द्वारा अक्तूबर माह को संस्कृति माह के रूप में मनाया गया जिसके अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

- **2 अक्तूबर** को सदस्यों ने सेवा भारती स्कूल के जरूरतमंद विद्यार्थियों को गर्म वस्त्र प्रदान किए।
- **10 अक्तूबर** को बागबां में एक आयुर्वेदिक शिविर के अन्तर्गत 188 लोगों के स्वास्थ्य की निः शुल्क जाँच की गई तथा दवाईयाँ भी दी गई।
- **13 अक्तूबर** को रा० कन्या व० मा० विद्यालय में दन्त जाँच शिविर लगाया गया जिसमें 325 बच्चों के दाँतों की जाँच की गई। जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क दन्त ब्रुश तथा पेस्ट भी प्रदान किया गया।
- **17 अक्तूबर** को दशहरे के पावन अवसर पर लोगों को तुलसी के पौधे बांटे गए तथा तुलसी के गुणों के पत्रक भी दिए।
- **31 अक्तूबर** को निः शुल्क नेत्र जाँच शिविर में 200 लोगों की आँखों की जाँच की गई।

– **प्रवीण मेहन्दीरत्ता**
सचिव, फतेहाबाद शाखा

तुलसी – एक गुणकारी पौधा

तुलसी एक जीवनदायक पवित्र पौधा है। 'ऑसीमम सैंक्टम' नाम से प्रसिद्ध इस अंतर्राष्ट्रीय प्रजाति के 22 भेद पाए जाते हैं। तुलसी की भारतीय संस्कृति में बाकायदा पूजा की जाती है। सभी रोगों में अनुपान भेद और मिश्रण के साथ इसका प्रयोग किया जा सकता है। तुलसी के पौधे में प्रबल विद्युतशक्ति होती है। इसका कटु-तिक्त रस हृदयग्राही और पित्तनाशक माना गया है। तुलसीकाष्ठ धारण करने से शरीर की विद्युतशक्ति हमेशा बनी रहती है, किसी प्रकार की संक्रामक बीमारी का भी भय नहीं रहता। तुलसी की मंजरी खाने से पेट के कृमि नष्ट हो जाते हैं।

– **कृष्ण जैन,** उकलाना मण्डी

रियलटी शोज..... मनोरंजन या विकृति?
टीआरपी की आड़ में, नैतिकता गई भाड़ में

मनोरंजन के क्षेत्र में टीवी को एक बड़ा माध्यम माना जाता है। समय के साथ-साथ टीवी सीरियलों की दुनिया भी बदल रही है, लेकिन पिछले कुछ समय से टीवी पर फूहड़ और अश्लील कार्यक्रमों की बाढ़ सी आ गई है। बहुत से कार्यक्रम ऐसे हैं जो आप परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर नहीं देख सकते, ऐसे में बच्चों को एडल्ट कंटेंट से बचाने का आम लोगों के पास कोई उपाय नहीं होता, सिवाए इसके कि टीवी को बंद कर दिया जाये।

मनोरंजन के नाम पर दिखाए जाने वाले किसी भी कॉमेडी शो को देख लें, इसमें क्या बच्चे क्या बड़े सब कॉमेडी के नाम पर अश्लीलता ही परोस रहे हैं। हंसी तो आती है पर जिन अश्लील और फूहड़ बातों पर आती है वह अपने आप में एक सवाल है। इन कॉमेडी शोज़ में यदि प्रतिभागियों से कोई कसर छूट जाए तो जज महोदय या महोदया अपनी भाव भंगिमाओं से पूरा कर देते हैं।

सास बहु पर आधारित सीरियलों के बाद पिछले कुछ समय से विभिन्न चैनलों पर रियलटी शोज की बाढ़ सी आ गई है, इनमें रियल्टी के नाम पर जो नाटकीयता दिखाई जाती है और जिस ढंग से दिखाई जाती है, उसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। पिछले दिनों "राखी का इंसाफ" और "बिग बॉस" को प्राईम टाईम में दिखाने पर सरकार ने बैन लगाया तो शो के निर्माता विरोध में अदालत चले गये। यह दोनों कार्यक्रम तो अब बंद हो चुके हैं परन्तु "माँ एक्सचेंज" और "बिग स्विच" जैसे कार्यक्रम अभी चल रहे हैं। एक विवाद खत्म होता है तो दूसरा शुरू हो जाता है। कहने को तो ये रियलटी शोज है परन्तु इनमें रती भर भी हकीकत नहीं दिखाई जाती।

असल मसला टीआरपी का है, टीआरपी (यानि टीवी रेटिंग पांईट) वह सिस्टम है जिससे टीवी चैनल और कार्यक्रम की लोकप्रियता मापी जाती है। टीआरपी की अहमियत इसलिए है कि इसके आधार पर ही चैनलों को विज्ञापन मिलता है। अपने चैनल को नम्बर वन साबित करने की होड़ में विभिन्न चैनलों वाले अपने कार्यक्रम की गुणवत्ता से समझौता करने को तैयार हो जाते हैं। चैनल वालों का तर्क है कि वे तो वही दिखाते हैं जो समाज में पहले से ही किसी न किसी रूप में मौजूद है और दूसरा उनका कहना है कि दर्शक अगर नहीं देखना चाहेगा तो चैनल बदल लेगा, परन्तु मेरा ऐसा मानना है कि यह जायज नहीं है। टीआरपी की

आड़ में अश्लीलता से समझौता नहीं किया जा सकता। क्योंकि ऐसे कार्यक्रमों (जिनसे गलत प्रभाव पड़ता है) से बच्चों को बचाना भी हमारी जिम्मेदारी बनती है।

टीआरपी की इस अंधी दौड़ में हमारे न्यूज चैनल भी पीछे नहीं है, अपराधों को सनसनीखेज ढंग से प्रस्तुत करना, अंधविश्वासों का महिमा मंडन करना, युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से काटना, शेयर-सट्टेबाजी को ग्लैमर देना, बाजारवाद को बल देना, हर कीमत पर सफलता हासिल करने के गुण गाना आदि को किसी भी हालत में सही नहीं ठहराया जा सकता। ऐसा नहीं है कि न्यूज चैनल पर सब गलत ही हो रहा है, घूसखोरी और भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए किये गये विभिन्न स्टिंग आपरेशन के जरिए मीडिया ने आम जनता को एक सशक्त प्लेटफार्म उपलब्ध कराया है। जैसिका लाल, प्रियदर्शनी भट्ट, नीतिश कटारा और रूचिका गिल्होत्रा जैसे केस में भी मीडिया ने जबरदस्त भूमिका निभायी थी।

अब बात टीवी पर दिखाए जाने वाले विज्ञापनों की करते हैं जो अश्लीलता और फूहड़पन सीरियल निर्माता आधे घंटे में दिखाता है, वही सब कुछ विज्ञापनों में आधे मिनट में दिखा दिया जाता है। उदाहरण के लिए एक सीमेंट कम्पनी का विज्ञापन देखिए जिसमें एक बिकिनी पहने हुए युवती समुन्द्र से निकल रही है ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएंगे। कुल मिलाकर देखा जाए तो स्थिति बेहद गम्भीर है। मेरा मानना है कि न्यूज को न्यूज और एडल्ट प्रोग्राम को एडल्ट प्रोग्राम होना चाहिए। पूरी फैमिली के लिए कहकर बनाए गए प्रोग्राम में आप एडल्ट कंटेंट नहीं दिखा सकते, सही कहकर गलत चीज पेश करना तो सरासर बेईमानी है। कितने कार्यक्रमों में कार्यक्रम से पहले उद्घोषणा की जाती है कि यह व्यस्कों के लिए है?

सरकार के ढीले रवैये के कारण ही टीवी पर ऐसे कार्यक्रम दिखाए जा रहे हैं। कथित रियलटी शोज की लिमिट तय होनी चाहिए। सूचना और प्रसारण मंत्रालय को ऐसे शोज दिखाने वाले चैनलों के खिलाफ सख्ती से पेश आना चाहिए। सिर्फ प्रसारण समय बदलने से कुछ नहीं होगा। सही गलत तय करना होगा व कहीं न कहीं रेखा खींचनी ही पड़ेगी।

- अजय कुमार सरदाना
जिला सचिव सिरसा
मो० 94162-84998

ध्वनि प्रदूषण

ध्वनि प्रदूषण की घातकता को मनुष्य गम्भीरता से नहीं लेता जबकि शोर से न केवल बहरापन होता है बल्कि उससे दैनिक कार्यकलापों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। चिकित्सकों व विशेषज्ञों द्वारा 30 डेसीबल से उपर की ध्वनि को कर्कश शोर का नाम दिया गया है। एक शोध अनुसार 120 डेसीबल ध्वनि से उपर के शोर में रहने वाला व्यक्ति आत्महत्या तक के लिए मजबूर हो जाता है। तीसरी शताब्दी तक चीन में मृत्यु दण्ड प्राप्त व्यक्ति को अधिक शोर वाले स्थान पर रखकर मृत्यु दण्ड दिया जाता था। इस समय देश के अधिकांश नगरों में वाहनों का शोर 90 डेसीबल तक पहुंच गया है जिसे लगातार सुनने से व्यक्ति स्थाई रूप से बहरा हो सकता है। 115 डेसीबल का शोर लगातार 15 मिनट तक सुनने से ही बहरापन तथा मानसिक परेशानी व अन्य रोग हो सकते हैं। ध्वनि प्रदूषण से मानसिक तनाव बढ़ता है, एकाग्रता नहीं रहती तथा उच्च रक्तचाप का रोगी बनता है जो हृदय रोग का कारण बनता है।

ध्वनि प्रदूषण के लिए मोटर वाहन, पटाखे, जनरेटर व कल कारखानों के अतिरिक्त लाउडस्पीकर बड़ा कारण है। सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक व धार्मिक आयोजनों में भी लाउडस्पीकरों का दुरूपयोग अधिक हो रहा है। ऊंचे से ऊंचे स्थान पर हार्न लगाकर तेज आवाज में लाउडस्पीकर बजाने, लाउडस्पीकर द्वारा विज्ञापन, मुनियादी व डैक लगाकर सामान बेचने से भी शान्तिपूर्ण जीवन में बड़ी बाधा पहुंचती है। जगराता पार्टी या आर्केस्ट्रा वाले सारी रात तेज आवाज में लाऊडस्पीकर बजाकर लोगों की नींद हाराम करते हैं।

मौन, ध्यान, योग, प्रार्थना आदि कोई भी शोर को स्वीकृति नहीं देता। मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा धार्मिक संस्थान द्वारा लाऊडस्पीकर के प्रयोग पर लगाई गई पाबन्दी महत्वपूर्ण है और इससे भी महत्वपूर्ण उच्चतम न्यायालय का 30 अगस्त, 2000 का वह निर्णय है कि कोई धर्म लाऊडस्पीकर बजाकर दूसरों की शान्ति में विघ्न डालकर पूजा करने को नहीं कहता फिर भी धार्मिक स्वतन्त्रता के नाम पर मन्दिर मस्जिद, गुरूद्वारे व चर्च आदि में ऊंचे स्थानों पर हार्न फिट हैं।

उच्चतम न्यायालय अनुसार एक सभ्य सामाज में धर्म के नाम पर ऐसी गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा सकती और लाउडस्पीकर बजाने वाले को यह

नहीं भूलना चाहिए कि पड़ोस के बच्चे को भी शान्तिपूर्ण वातावरण में सोने, विद्यार्थी को अपने अध्ययन पर एकाग्रचित होने, वृद्ध व अस्वस्थ व्यक्ति को बिना किसी ध्वनि प्रदूषण के आराम करने का पूर्ण अधिकार है। उक्त निर्णय के बावजूद उस पर पूर्ण प्रतिबंध न लग पाना आश्चर्यजनक, दुखद व चिंतनीय है।

टीबी के जीवाणु की खोज करने वाले प्रसिद्ध वैज्ञानिक रोबट कुक द्वारा 1944 में भविष्यवाणी की गई थी कि जिस प्रकार मनुष्य हैजे से लड़ रहा है उसी प्रकार भविष्य में ध्वनि प्रदूषण से लड़ने की आवश्यकता होगी। वाहनों पर लगे प्रैशर हॉर्न प्रदूषण को बढ़ाने के साथ साथ दूर्घटनाओं को भी बढावा देते हैं।

पटाखे ध्वनि प्रदूषण का एक अन्य बड़ा कारण है। एक सर्वेक्षण अनुसार पटाखे इतने धमाकेदार होते हैं कि उनसे 150 डेसीबल तक आवाज होती है जो गर्भवती महिलाओं के लिए गर्भपात का कारण बन सकती है। पटाखों से ध्वनि प्रदूषण के अतिरिक्त वायु प्रदूषण भी बहुत अधिक होता है। अरबों खरबों रूपयों के पटाखों को आग लगाकर हमारे देशवासी अपना व आने वाली पीढ़ी का अत्याधिक नुकसान कर रहे हैं। कलकता उच्च न्यायालय द्वारा 1996-97 में दिए गए निर्णय अनुसार बंगाल में ध्वनि वाला पटाखा चलाने पर पूर्ण प्रतिबन्ध है।

जनरेटर भी ध्वनि व वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण है जो आस पास के लोगों को बहरा करने में सक्षम है। बिजली की कमी के कारण उसका उपयोग कई बार अनिवार्य हो जाता है परन्तु मनुष्य के स्वास्थ्य पर उस सुविधा की तुलना में कहीं अधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ध्वनि प्रदूषण रहित जनरेटर ही प्रयोग करने की कानूनी बाध्यता होनी चाहिए।

ध्वनि प्रदूषण के उपरोक्त कारणों को दूर करने में भ्रष्ट कार्यपालिका से किसी सुधार की आशा नहीं करनी चाहिए। हमें स्वयं इसे दूर करना होगा और सामाजिक व स्वयंसेवी संस्थाओं को अधिक से अधिक संख्या में आगे आकर इस विषय पर जन जागृति लानी होगी।

- रमेश गोयल
आयकर सलाहकार
क्षेत्रीय मन्त्री, भारत विकास परिषद्
मो. 9416049757, 9215220720
आर.एस.डी. कलोनी, सिरसा (हरि.)

मैंने भारत विकास परिषद् से क्या पाया?

भारत विकास परिषद् एक प्रबुद्ध व स्मृद्धशाली लोगों द्वारा शुरू की गई एक सामाजिक संस्था है जो कि समाज में जरूरतमंद व गरीब लोगों के लिए अनेक कार्यक्रम चलाती है। यह संस्था ''**सम्पर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा व समर्पण**'' पांच स्तम्भों को आधार मानकर समाज कल्याण के लिए कार्य करती है। इस सगंठन में डॉ. सतीश वर्मा जी की प्रेरणा से मैं सदस्य बना जिनका का मैं तहदिल से आभारी हूँ । इस संगठन के माध्यम से समाज के लोगों से सम्पर्क हुआ, दायरा बढ़ा। मिलजुल कर कार्य करने से सहयोग की भावना को बढ़ावा मिलता है। हम एक दूसरे के सुख-दुख में शामिल होते हैं।

भारत विकास परिषद् बच्चों में देशभक्ति की भावना बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय समूहगान व राष्ट्रीय संस्कृत गायन जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाती है जिसमें छात्र-छात्राएं एक समूह में देशभक्ति के गीत गाते हैं। विद्यार्थियों का सामान्य ज्ञान बढ़ाने के लिए "**भारत को जानो**" प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक किया जाता है। गरीब लोगों के लिए तथा आम आदमी के लिए सामूहिक बीमा योजना, सामूहिक सरल विवाह, रक्तदान कैम्प, स्वास्थ्य जांच शिविर, नेत्र जांच शिविर, बहुउद्देशीय शिविरों का आयोजन, विकलांग सहायता समूह, पौधारोपण, सफाई व्यवस्था, गौरक्षा आदि कार्यक्रम किए जाते हैं।

भारत विकास परिषद के सदस्यों को जिम्मेदारी निभाने की प्रतिज्ञा करवाई जाती है जिसके कारण सभी सदस्य निःस्वार्थ भाव से समर्पित होकर कार्य करते हैं। इस संस्था में एक विशेष बात यह है कि इसके सदस्य किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करते हैं। भारत विकास परिषद ने समाज हित में कार्य करके अपनी विशेष पहचान बनाई है। यह संस्था सरकार के कार्य में हाथ बंटा कर अपने दायित्व को पूरा करती है। अतः हमें इस संस्था के कार्य में सहयोग देकर जिम्मेवार व्यक्ति के रूप में अपनी पहचान बनानी चाहिए।

- साधुराम जाखड़

जिला अध्यक्ष, हिसार

प्रान्तीय दायित्वधारियों की सूचि वर्ष 2011-12 (सम्वत् २०६८)

क्र.	नाम	शाखा	दायित्व	मोबाईल नं०
01.	गोपाल कृष्ण पोपली	भिवानी	अध्यक्ष	93153-74141
02.	नरेन्द्र शर्मा	रतिया	महासचिव	94163-55975
03.	सुरजीत चावला	भिवानी	कोषाध्यक्ष	94160-59217
04.	रमेश कुमार सिंगला	जीन्द	उपाध्यक्ष	94160-60161
05.	इन्द्र गोयल	सिरसा	उपाध्यक्ष	94160-41214
06.	केवल कृष्ण अरोड़ा	फतेहाबाद	संगठन सचिव	94161-06692
07.	महीपाल यादव	वीर, हिसार	सचिव	94661-48484
08.	इन्दु मुंजाल	विवेकानन्द, हिसार	महिला संयोजिका	93544-66940
09.	रवि संदीप भारती	रतिया	अध्यक्ष, फतेहाबाद	94160-45324
10.	बजरंग गोयल	टोहाना	सचिव, फतेहाबाद	94160-45375
11.	अरूण गौतम	सफीदों	अध्यक्ष, जीन्द	98962-16769
12.	अशोक मंगला	जीन्द	सचिव, जीन्द	98130-78351
13.	इन्द्रजीत शर्मा	वीर, हिसार	अध्यक्ष, हिसार	99911-62100
14.	शिव कुमार कौशिक	बरवाला	सचिव, हिसार	94161-02421
15.	डॉ० सुरेन्द्र गुप्ता	ऐलनाबाद	अध्यक्ष, सिरसा	93153-47488
16.	भोजा राम महता	ऐलनाबाद	सचिव, सिरसा	94162-42455
17.	अनिल केडिया	सिवानी	अध्यक्ष, भिवानी	94163-57853
18.	संजय कामरा	भिवानी	सचिव, भिवानी	93154-14475
19.	डॉ० सतीश वर्मा	विवेकानन्द, हिसार	सं. विकास सूत्र	94663-30999
20.	अनूप कुमार	टोहाना	सं. रा. समूहगान	94160-45941
21.	जिया लाल बंसल	भूना	सं. रा. संस्कृतगीत	94163-26016
22.	कमल रेहलन	सिरसा	सं. भारत को जानो	94160-40770
23.	डॉ० रणजीत गुप्ता	नरवाना	सं. युवा संस्कार	94665-55766
24.	रमेश गुप्ता	उकलाना	सं. स्थाई प्रकल्प	98124-30926
25.	सुरेश भादू	सीसवाल	सं. जयन्ती/बलिदान	94165-93973
26.	प्रो. आर.सी. शर्मा	जीन्द	सं. पर्यावरण	98120-45282
27.	श्रीमती विजय शर्मा	रतिया	सं. बाल संस्कार	94664-50016
28.	सतीश लीखा	भिवानी	सं. वनवासी सहायता	98960-01366
29.	रमेश गोयल	जीन्द	सं. संस्कृति सप्ताह	98121-78517
30.	छबील दास महता	ऐलनाबाद	सं. रक्तदान	98123-31102
31.	संजय वर्मा	जुलाना	सं. विकास	94161-47885
32.	दिनेश गर्ग	कालांवाली	सं. नेत्रदान	94160-47440

33.	हरीश शर्मा	विवेकानन्द, हिसार	सं. विकलांग सहायता	94162-52166
34.	सुभाष कटारिया	हांसी	सं. सदस्यता विस्तार	94666-38381
35.	मांगे राम शर्मा	मोहब्बतपुर	सं. ग्राम बस्ती	94660-89321
36.	सतीश गोयल	आदमपुर	सं. गुरूवन्दन - छात्र अभिनन्दन	94161-73039
37.	सुमन बाला महता	फतेहाबाद	सह संयोजिका महिला सहभागिता	94169-23916

- नरेन्द्र शर्मा
प्रान्तीय महासचिव

गौमाता में होती है मां जैसी संवेदनशीलता

गौ-पूजन का केवल यही अर्थ नहीं होगा कि एक चौपाए पशु को सम्मानित कर दिया जाए। गाय को हमारी संस्कृति में यदि माता कहा गया है तो इसके पीछे बहुत बड़ा संदेश है। गाय के भीतर वैसी ही संवेदनशीलता रहती है, जैसी मां के अंदर होती है। यदि जीवन का स्वर्गीकरण करना है तो संवेदनाओं का जागरण करना होगा। गाय को पूजने का अर्थ होगा जनकरूणा की सरिता को समाज में बहाना। यदि गाय के ममत्व को जानना हो तो उसकी आंख में अपनी आंख डालकर देखिए। एक नवजात शिशु की आंखें जितनी निर्दोष होती हैं, गाय के नेत्र भी उतने ही निश्छल होते हैं। यदि गाय आपकी आंखों में देख रही हो तो समझ लीजिए सरलता, सहजता, सहृदयता तथा पवित्रता की धारा आपके भीतर प्रवाहित होने की तैयारी हो रही है।

संकलन - शिव कुमार कौशिक
उपाध्यक्ष, शाखा बरवाला

श्रद्धांजलि

भारत विकास परिषद् हरियाणा पश्चिम के पूर्व अध्यक्ष डॉ० वासुदेव बंसल के पूज्य पिताजी, उकलाना शाखा के अध्यक्ष श्री महेन्द्र दहमनिया की धर्मपत्नी, आदमपुर शाखा के पूर्व अध्यक्ष श्री रजनीश गर्ग के पूज्य पिता जी, सिवानी शाखा के संरक्षक श्री सुशील केडिया के पूज्य ताऊ जी, ऐलनाबाद शाखा के अध्यक्ष श्री के.सी. छपोला के भाई, ऐलनाबाद शाखा के वरिष्ठ सदस्य डॉ० विजय ग्रोवर की पूज्य माताजी तथा सफीदों शाखा संस्कार प्रमुख श्री राकेश दीवान जी की पूज्य माताजी के निधन पर परिषद् परिवार श्रद्धासुमन अर्पित करता है तथा दिवंगत आत्माओं की परम शान्ति के लिए प्रार्थना करता है।

याद अभी बाकी है

समा गई हो प्रकृति की गोद में, लेकिन याद अभी बाकी है।
छोड़ कर चली गई हो मां मुझे, आपकी तस्वीर अभी बाकी है॥

आपकी घुट्टी पीसने की आवाज, आज भी मदहोश कर जाती है।
आपका दिया हुआ प्यार, और उसकी तड़प अभी बाकी है॥

आपकी लोरी की आवाज, मुझे और दुनिया में ले जाती है।
वो गोदी में लिटाकर दूध पिलाना, उस दूध का कर्ज अभी बाकी है॥

मेरी भूख मिटाकर खुद भूखे सो जाना, ये सब बहुत याद आता है।
मूंगफली के दाने नन्हीं हथेली पर रखना, उन दानों की महक अभी बाकी है॥

आपकी महिमा को शब्दों में पिरोना, दुष्कर ही नहीं असम्भव है।
छोड़कर चली गई हो मां मुझे, पर आपकी याद अभी बाकी है॥

– नन्द कुमार गर्ग
सदस्य, शाखा बरवाला

सूचना

सभी शाखाओं के सहयोग से विकास सूत्र का प्रकाशन निरन्तर जारी है। प्रत्येक अंक में हम एक सामाजिक मुद्दे पर विस्तार से चर्चा करते हैं। इसी कड़ी में आगामी अंक हेतु '**भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में सामाजिक संस्थाओं का योगदान**' विषय पर आपके लेख, कविता, कार्टून तथा प्रेरणादायक प्रसंग सादर आमन्त्रित हैं। आपसे अनुरोध है कि आप शाखा गतिविधियों की फोटो सहित रिपोर्ट या सी.डी. 15 जून 2011 तक मेरे पते पर अवश्य भिजवा दें। आपके प्रेषण तथा प्रयासों के बिना प्रकाशन सम्भव नहीं हो पायेगा। आपसे सकारात्मक सहयोग का आकांक्षी हूँ।

– सम्पादक

प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक डॉ० सतीश वर्मा ने विकास सूत्र त्रैमासिक पत्रिका
संगम कम्प्यूटर्स, रेलवे रोड़, नजदीक ओवर ब्रिज, हिसार-125001 (हरि.) से छपवाकर प्रकाशित की।
सम्पादक : डॉ० सतीश वर्मा, मोबाईल नं० 94663-30999
किसी भी वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार होगा।